पैरों की हरकतों व क्षमताओं में सुधार आया। एक घटना यह बताई जाती है कि ऑटिज़्म से पीड़ित एक बच्चा था जिसने कुछ समय एक दोस्ताना डॉल्फिन के साथ तैरने के बाद अपना पहला लफ्ज़ बोला था - 'अच्छा'। मगर पेशेवर साहित्य में अन्य जन्तुओं के स्पर्श के असर को लेकर ज़्यादा सामग्री नहीं है। बिल्ली पालने वाले कई लोग बताते हैं कि उन्हें अपनी पालतू बिल्ली की उपस्थिति से सुकून मिलता है।

कभी-कभी जानवरों में छठी इन्द्रिय की बात होती है। यह भी कहा जाता है कि हम इंसानों में यह नहीं होती। मगर इस विषय में कोई शोध नहीं हुआ है और यह प्रायः अटकलबाज़ी का ही मामला है। कुछ लोग कुत्तों-बिल्लियों में वोमेरोनेज़ल अंग की उपस्थिति का हवाला देते हैं। यह अंग तालू में पाया जाता है। इसमें सामने वाले दांत के ठीक पीछे की ओर दो छिद्र होते हैं जो इसे बाहरी हवा से जोड़ते हैं। जानवर इन छिद्रों में से हवा खींचता है। इस तरह से यह अंग एक और घ्राणेन्द्रिय के समान काम करता है। मगर इस अंग के कामकाज को लेकर अभी ज़्यादा जानकारी नहीं है। इसलिए किसी निष्कर्ष पर कूदना उचित नहीं होगा। *(स्रोत फीचर्स)*

जलकुंभी का इलाज

उन्नीसवीं सदी में जलकुंभी को ब्राज़ील से कई जगह ले जाया गया। उद्यान के शौकीन लोगों को इसके जामुनी फूल बहुत भाए थे। आज जलकुंभी 50 देशों में फैल चुकी है और खासकर गर्म देशों में एक समस्या बन गई है।

यह एक आम बात है। विदेशी यात्रियों को कई बार कोई चीज़ भा जाती है और वे उसे अपने देश ले आते हैं। उन्हें क्या पता होता है कि वे एक लुभावना संकट आयात कर रहे हैं। कभी-कभी यह लुभावनी चीज़ कोई फूल हो सकती है। घर पहुंचकर इस फूल के पौधे को बोया जाता है। वहां इसका कोई कुदरती भक्षक तो होता नहीं, सो यह फैलने लगता है और फैलते-फैलते एक विपत्ति बन जाता है। जलकुंभी यानी वाटर हायसिंथ का किस्सा कुछ ऐसा ही है।

उन्नीसवीं सदी में जलकुंभी को ब्राज़ील से कई जगह ले जाया गया। उद्यान के शौकीन लोगों को इसके जामुनी फूल बहुत भाए थे। आज जलकुंभी 50 देशों में फैल चुकी है और खासकर गर्म देशों में एक समस्या बन गई है।

इसके तैरते पौधों की चादर एक हफ्ते से भी कम समय में फैलकर दुगनी हो जाती है। इसके पत्तों का घनापन पूरी झील को ढंक लेता है। ऐसी झीलों-तालाबों में नाव चलाना